



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 56]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 16, 1981/माघ 27, 1902

No. 56] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 16, 1981/MAGHA 27, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(श्रीद्वारिक विकास विभाग)

अधिसूचना
नई दिल्ली, फरवरी 16, 1981

सं. का. नि. 86 (अ).—लग्नवी, कागज, गता और अख्यारी कागज विनियम उपकर नियम, 1980 का प्रारूप, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 की उपधारा (1), द्वारा यथा अधिकार भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीद्वारिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 609 (अ) तारीख 27 अक्टूबर, 1980 के साथ, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) तारीख 27 अक्टूबर, 1980 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना वाला राजपत्र जनता को उपलब्ध करा दिया गया था, साठ विन के भीतर उन सभी व्यक्तियों से अधिकार और सुझाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी;

और उक्त राजपत्र 13 नवम्बर, 1980 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बाबत जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

ग्रन्त, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभागित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम—इन नियमों का संक्षिप्त नाम कागज और गता उपकर नियम, 1981 है।

2. परिभाषाएँ—इन नियमों में, जब तक संदर्भ से प्रत्यया अपेक्षित न हो—

(क) “अधिनियम” से उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) अभिप्रेत है;

(ख) “उपकर” से अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन उद्योगीत और संग्रहीत उपकर अभिप्रेत है;

(ग) “कलकटर” से केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलकटर अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकार कलकटर, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क उप-कलकटर, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलकटर और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधीक्षक भी हैं।

(घ) “विकास परिषद्” से अधिनियम की धारा 6 के अधीन स्थापित कागज, लग्नवी और महबूब उद्योगों के लिए विकास परिषद् अभिप्रेत हैं;

(ङ) “कागज और गता” से सभी प्रकार का कागज और गता (जिसमें अस्थारी कागज, पेस्टबोर्ड, मिनबोर्ड, ड्राइबोर्ड, कार्ड बोर्ड और नालीदार गता भी सम्मिलित है) अभिप्रेत हैं;

(क) "अनुसूचित उद्योग" में अधिनियम को पहली अनुसूची में, 24 क गत और लूटा, जिनके अन्तर्गत कागज उत्पाद भी हैं और उनके अधीन बनाए बाला अनुसूचित उद्योग अभिवृत है;

(छ) अन्यथा और पर्याप्त के, जो इनमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) या उसके अधीन बनाए गए नियमों में परिभाषित हैं, वही अर्थ होते, जो उनके इस अधिनियम या उन नियमों में है।

3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों को लागू होता है—उन नियमों में अन्यथा उपबंधित के विवाय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध, जिनके अंतर्गत शुल्क के प्रसिद्धाय से सम्बंधित उपबंध भी हैं, वादवशाक्य, उपकर के उद्ग्रहण और संग्रहण के सम्बंध में जैसे ही लागू होते जैसे वे उस अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन कागज और गते पर उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण और संग्रहण के सम्बंध में लागू होते हैं।

4. नियति के महें उपकर का कोई प्रतिदाय नहीं—भारत से नियति किए गए कागज और गते पर उपकर का कोई प्रतिदाय अनुशासा नहीं किया जाएगा।

5. विवरणिया प्रस्तुत करना—

- (1) प्रत्येक विवरणिया प्रस्तुत कास की 10 तारीख को या उसके पूर्वे इन नियमों के उपाधि में विविष्ट प्रूप में पूर्ववर्ती मास के द्वारा इन नियमों के विवरणिया को लागू करने के लिए गए कागज और गते को मद्दों के मारे स्टाक में सम्बंधित विवरणी कलक्टर को या विकास परिषद् को प्रस्तुत करेगा।
- (2) यदि कोई विवरणिया उपनियम (1) में विविष्ट तारीख के भीतर उक्त विवरणी प्रस्तुत करने में असफल रहता है या ऐसी विवरणी प्रस्तुत करता है जिसके बारे में कलक्टर या विकास परिषद् के पास यह विवराम करने का कारण है कि वह गलत या सुधिरणी है तो कलक्टर या विकास परिषद् विवरणिया पर सुचना की ताबील कर भक्ती जिसमें उसके द्वारा उत्पादित कागज और गता से सम्बंधित अपने सभी खातों या किसी खाते को प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा।

6. उपकर के आगम—उपकर के आगम सर्वप्रथम भारत की समेकित नियम में "038—संघ उत्पाद-शुल्क—वस्तुओं पर उपकर—कागज" शीर्ष के अधीन जमा किए जाएंगे और केन्द्रीय सरकार इस नियमित विधि द्वारा संसद् द्वारा किए गए सम्पूर्ण समायोजन के पश्चात् विकास परिषद् को ऐसी याचियां दें सकेंगी जो वह आवश्यक समझे।

7. खाता खोलना—नियम 6 के अधीन विकास परिषद् को प्राप्त रकम भारतीय स्टेट बैंक में खाता खोल कर जमा की जाएगी।

8 विकास परिषद् के लेखे—

- (1) विकास परिषद् नियम 6 के अधीन उसे प्राप्त रकम के सम्बंध में उचित लेखा रखेंगी।
- (2) प्रत्येक विलीय वर्ष के लिए संपरीक्षित लेखा विवरण उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित केन्द्रीय सरकार को भेजा जाएगा।

9. विकास परिषद् के बजट प्राप्तकरण :

- (1) विकास परिषद् प्रति वर्ष आगामी विलीय वर्ष के लिए बजट तैयार करेंगी और उसे ऐसी तारीख को या उसके पूर्वे जो केन्द्रीय सरकार नियत करे, मंजूरी के लिए केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेंगी।
- (2) जब तक केन्द्रीय सरकार द्वारा बजट की मंजूरी नहीं दी जाती, तब तक कोई खर्च महीने किया जाएगा।

(3) बजट ऐसे अनुदेशों के अनुसार, जिन्हें केन्द्रीय सरकार सम्में समय पर जारी करे संयार किया जाएगा।

10. प्रयोजन जिनके लिए उपकर-आगमों का उपयोग किया जाएगा : प्रधिनियम की धारा 9 की उपधारा (4) के बाण्ड (क), (ज) और (ग) के अधीन विविष्ट प्रयोजनों के प्रतिक्रिया उक्त धारा के अधीन संग्रहीत उपकर के आगमों का, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से, निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाएगा ; प्रथमि :—

- (1) केन्द्रीय लग्जी और कागज अनुसंधान संस्थान का नियमण और विकास करने के लिए ;
- (2) कागज, गता और प्रबाहरी कागज उद्योग के लेव में अनुसंधान करने के लिए ;
- (3) अन्य अभिकरणों जैसे वन अनुसंधान सम्बान्ध में बहु विधि विषयक समन्वित प्रतुसंबन्ध परिवर्तनों पर प्राप्तकरण देने के लिए विविष्ट प्रयोजनों वालों अनुसंधान प्रयोगशालाओं में सम्बद्ध अनुसंधान और विकास कार्यकारणों की महत्वता करने के लिए ;
- (4) उत्पादन के लिए लक्ष्यों की मिकारिंग करने, उत्पादन कार्यक्रमों का समन्वय करने और समय-समय पर उनकी प्रगति का पुनर्विलोकन करने के लिए ;
- (5) अपचय दूर करने, अधिकतम उत्पादन अभियान करने, अवालिटी सुधारने और लगत कम करने की दृष्टि से दक्षता के आदर्शों का सुधार देने के लिए ;
- (6) संस्थापित भवता के पूर्णतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए और अनुसूचित उद्योग, विशेष रूप से कम दक्ष एकलों, के कार्यकरण का सुधार करने के लिए उपायों की मिकारिंग करना ;
- (7) बहुतर विपणन के लिए इंतजामों का संप्रवर्तन करना और अनुसूचित उद्योग के उत्पाद के वितरण और विकास की पद्धति के उत्पाद खोजने में ऐसी सहायता करना, जो उपभोक्ता के लिए समाधान प्रद हो।
- (8) उत्पादों के मानकीकरण का संप्रवर्तन करना ;
- (9) नियति सामग्री के वितरण में सहायता करना और अनुसूचित उद्योग के लिए सामग्री अभिप्राप्त करने के लिए इंतजामों का संप्रवर्तन करना ;
- (10) सामग्रियों और उपकर के बारे में तथा उत्पादन की पद्धति, प्रबंध और अम उपयोग के बारे में, जिसके अन्तर्गत नहीं सामग्री, उपकर और पद्धतियों की ओज तथा विकास और पहले से ही उपयोग में आने वालियों में सुधार भी है, उनमें विभिन्न विकल्पों के फायदों के निर्धारण और प्रायोगिक स्पष्टपनों और वाणिज्यिक रूपानों पर परीक्षण का संचालन करने के बारे में जीव संप्रवर्तित करना या करना ;
- (11) अनुसूचित उद्योग में लगे हुए या लगाए जाने के लिए प्रस्तावित व्यक्तियों के प्रशिक्षण और उससे सम्बंधित तकनीकी या कलात्मक विषयों में उनकी शिक्षा का संप्रवर्तन करना ;
- (12) वैज्ञानिक और शिरोगिक अनुसंधान, शिरोगिक मनोविज्ञान पर प्रभाव डालने वाले विषयों पर अनुसंधान और अनुसूचित उद्योग द्वारा प्रवर्त माल और सेवाओं के उत्पादन और उपभोग या उपयोग से सम्बंधित विषयों पर अनुसंधान का संप्रवर्तन करना या करना ;
- (13) लेखांकन और सागर निकालने की पद्धति और व्योहार में सुधार और मानकीकरण का संप्रवर्तन करना ;
- (14) आकड़ों के संग्रह और सूक्षीकरण का संप्रवर्तन करना या करना ;

(15) श्रम उत्पादकता में अधिकृदि करने के लिए उपाय अपनाने को, जिनके अंतर्गत सुरक्षित और बहुत कार्यकारी दशाएं सुनिश्चित करने के लिए उपाय और कर्मकारों के लिए मुख्य सुविधाओं तथा प्रोत्साहनों की व्यवस्था और उनमें भुवार भी है, संप्रतिनिधित्व करना;

(16) अनुशूलित उद्योग संबंधी उन विषयों पर (जो पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तों से भिन्न हैं) जिनके बारे में केन्द्रीय मरकार विकास परिषद् से सलाह देने का अनुरोध कर सकती है,

सलाह देना और ऐसी सलाह देने के लिए विकास परिषद् को समर्थ बताने के प्रयोगनार्थ जांच करवाना;

(17) अनुशूलित उद्योग को प्राप्त जानकारी उपलब्ध कराने के लिए और ऐसे विषयों पर सलाह देने के लिए जिनमें विकास परिषद् अपने किसी कृत्य का पालन करने में संबद्ध है, इनाम करवाना;

(18) ऐसे न्यूनतम प्रशासनिक व्यय पूरे करना जो उसके कृत्यों के निर्बंहन में होते हैं। इसके अंतर्गत विकास परिषद् के मतस्थों का यात्रा भत्ता भी है।

उपायवर्धन

(नियम 5 देखिए)

कागज और गत्ता उपकर नियम, 1981 के अधीन प्रस्तुत की जाने वाली विवरणी का प्रलम्ब

.....को समाप्त होने वाला मास

रेज.....

कारखाने का नाम.....

प्रभाग.....

पता.....

कलेक्टरी.....

क्र० सं०	माल का वर्णन	आदि भ्रतिशेष विनिर्मित		हटाया गया माल		हटाई गई माला पर उद्गमणीय उपकर की रकम		हटाई गई माला पर संदर्भ उपकर की रकम		अन्य भ्रतिशेष माला	टिप्पणियां
		माला	माला	मूल्य	माला	उपकर की रकम	माला	उपकर की रकम	माला		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10		

टिप्पण :—माल की प्रत्येक किसी की वापत प्रविष्टि अलग-अलग दी जानी चाहिए।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने ऊपर दर्शित विशिष्टियों का अपने कारखाने के अभिलेखों और बहियों से मिलान कर लिया है और वे जहां तक मैं/हम सुनिश्चित कर सकता हूँ/सकते हैं, सही और पूर्ण हैं।

विनिर्माता के हस्ताक्षर

[का० सं० 3(89)/80-कागज]

बी० आर० आर० अयगर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th February, 1981

G.S.R. 66(E).—Whereas the draft of the Pulp, Paper, Paper Board, and Newsprint Manufactures Cess Rules, 1980, was published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3—Sub-section (i), dated the 27th October 1980, with the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), No. G.S.R. 609(E), dated the 27th October, 1980, as required by sub-section (1) of section 30 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within sixty days from the date on which the Gazette containing the said notification was made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 13th November, 1980;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 30 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title.—These rules may be called the Paper and Paper Board Cess Rules, 1981.
2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) "Act" means the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951);
 - (b) "Cess" means the cess levied and collected under sub-section (1) of section 9 of the Act;
 - (c) "Collector" means the Collector of Central Excise and includes the Additional Collector of Central Excise, Deputy Collector of Central Excise, Assistant Collector of Central Excise and Superintendent of Central Excise;

- (d) "Development Council" means the Development Council for Paper, Pulp and Allied Industries, established under section 6 of the Act;
- (e) "Paper and paper board" means paper and paper board, all sorts (including newsprint, pasteboard, mill board, strawboard, cardboard and corrugated board);
- (f) "scheduled industry" means the scheduled industry falling under the heading '24. Paper and Pulp including Paper Products' in the First Schedule to the Act;
- (g) words and expressions used herein and not defined but defined in the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) or the rules made thereunder, have the meanings respectively assigned to them in that Act or those rules.

3. Application of Central Excises and Salt Act and the rules made thereunder.—Save as otherwise provided in these rules, the provisions of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder including those relating to refund of duty, shall, so far as may be, apply in relation to the levy and collection of the cess as they apply in relation to the levy and collection of the duty of excise on paper and paper board under that Act and the rules made thereunder.

4. No Refund of Cess on account of Exports.—No refund of cess shall be allowed on the paper and paper board exported from India.

5. Submission of returns.—(1) Every manufacturer shall submit to the Collector and to the Development Council on or before the 10th of every month a return in the Form specified in the Annexure to these rules relating to all stocks of items of paper and paper board manufactured in, and removed from, his factory during the previous month.

(2) If any manufacturer fails to furnish the said return within the date specified in sub-rule (1) or furnishes a return which the Collector or the Development Council has reason to believe is incorrect or defective, the Collector or the Development Council may serve notice on the manufacturer calling upon him to produce all or any of his accounts relating to the paper and paper board produced by him.

6. Proceeds of the Cess.—The proceeds of the cess shall first be credited to the Consolidated Fund of India under the head '038-Union Excise Duties—Cess on Commodities—Paper' and the Central Government may after due appropriation made by Parliament by law in this behalf, hand over to the Development Council such sums as it may consider necessary.

7. Opening of Accounts.—The amount received by the Development Council under rule 6 shall be kept in an account with the State Bank of India.

8. Accounts of the Development Council.—(1) The Development Council shall maintain proper accounts relating to the amount received by it under rule 5.

(2) The audited statement of accounts for every financial year, together with the auditor's report thereon, shall be submitted to the the Central Government.

9. Budget estimates of the Development Council.—(1) The Development Council shall in each year prepare a budget for the ensuing financial year and submit the same for sanction to the Central Government on or before such date as may be specified by the Central Government.

(2) No expenditure shall be incurred until the budget is sanctioned by the Central Government.

(3) The budget shall be prepared in accordance with such instructions as may be issued from time to time by the Central Government.

10. Purposes for which the Proceeds of the Cess shall be utilized.—In addition to the purposes specified under clauses (a), (b) and (c) of sub-section (4) of section 9 of the Act, the proceeds of the cess collected under the said section may, with the approval of Central Government, also be utilised for the following purposes, namely :—

- (i) to build up and develop the Central Pulp and Paper Research Institute;
- (ii) to undertake research in the field of the paper, paper board and newsprint industry,
- (iii) to assist related research and development activities in other agencies such as Forest Research Institute, research laboratories with specific purpose of promoting multi-disciplinary coordinated research projects;
- (iv) recommending targets for production, coordinating production programmes and reviewing progress from time to time;
- (v) suggesting norms of efficiency with a view to eliminating waste, obtaining maximum production, improving quality and reducing costs;
- (vi) recommending measures for securing the fuller utilisation of the installed capacity and for improving the working of the scheduled industry, particularly of the less efficient units;
- (vii) promoting arrangements for better marketing and helping in the devising of a system of distribution and sale of the produce of the scheduled industry which would be satisfactory to the consumer;
- (viii) promoting standardisation of products,
- (ix) assisting in the distribution of controlled materials and promoting arrangements for obtaining materials for the scheduled industry,
- (x) promoting or undertaking inquiry as to materials and equipment and as to methods of production, management and labour utilisation, including the discovery and development of new materials, equipment and methods and of improvement in those already in use, the assessment of the advantages of different alternatives and the conduct of experimental establishments and of tests on a commercial scale;
- (xi) promoting the training of persons engaged or proposing engagement in the scheduled industry and their education in technical or artistic subjects relevant thereto;
- (xii) promoting or undertaking scientific and industrial research, research into matters affecting industrial psychology and research into matters relating to production and to the consumption or use of goods and services supplied by the scheduled industry;
- (xiii) promoting improvements and standardisation on accounting and costing methods and practice;
- (xiv) promoting or undertaking the collection and formulation of statistics;
- (xv) promoting the adoption of measures for increasing the productivity of labour, including measures for securing safer and better working conditions and the provision and improvement of amenities and incentives for workers;
- (xvi) advising on any matters relating to the scheduled industry (other than remuneration and conditions of employment) as to which the Central Govern-

ment may request the Development Council to advise and undertaking inquiries for the purpose of enabling the Development Council so to advise;

(xvii) undertaking arrangements for making available to the scheduled industry information obtained and for advising on matters with which the Develop-

ment Council is concerned in the exercise of any of its functions;

(xviii) defraying such minimum administrative expenses as may be involved in the discharge of its functions including travelling allowance for the Members of Development Council.

ANNEXURE

(See rule 5)

Form of Monthly Return to be submitted under the Paper and Paper-board Cess Rules, 1981

Month ending _____

Range _____

Name of Factory _____

Division _____

Address _____

Collectorate _____

Serial No.	Description of the goods	Opening Balance Quantity	Manufactured Quantity	Goods removed Value Quantity	Amount of cess leviable on the quantity removed	Amount of cess paid on the quantity removed	Closing Balance Quantity	Remarks	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Note:—Separate entry should be made in respect of each variety of the goods.

I/We declare that I/we have compared the above shown particulars with the records and books of my/our factory and that they are, in so far as I/we can ascertain, accurate and complete.

Date.....

Signature of Manufacturer

[F.No.3(89)/80-Paper]
B.R.R. IYENGAR, Jt. Secy.

